कोई सहायता दिए जाने का विचार है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) वर्ष 1988-89, 1989-90 और 1990-91 के दौरान देश में युवा कार्यकलापों के संवर्धन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा क्रमशः 3678.37 लाख रुपये, 3584.00 लाख रुपये और 3869.00 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है।

(ख) सरकार के बजट में राज्यवार कोई आवंटन नहीं किया जाता है । वास्तविक किए गए व्यय और प्राप्त पृथक कार्यक्रम प्रस्तावों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है ।

(ग) और (घ) 1991-92 वर्ष के दौरान देश में स्कूलों और कालेजों में युवा कार्यकलापों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित बजट प्रावधान किया गया है :

	रु०
1. राष्ट्रीय सेवा योजना	10,55,00,000/-
2. स्काउटिंग और गाईडिंग	67,00,000/-
3. साहस का विकास	16,50,000/-
	11,38,50,000/-

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कुछ स्कूलों को स्वायत्तता दिया जाना

1544. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कुछ स्कूलों को शिक्षा के मामले में स्वायत्तता प्रदान की है और यदि हां, तो इस संबंध में क्या मानदंड अपनाए गए हैं ;

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप कोई लाभ होने की संभावना है, यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) पाठ्यक्रम अथवा परीक्षा मूल्यांकन की वर्तमान पद्धति की दृष्टि से नई योजना किस प्रकार भिन्न है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, नहीं । अभी तक केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने किसी भी स्कूल को स्वायत्तता नहीं दी है ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

गुजरात के जिलों में समेकित बाल विकास कार्यक्रम (आई.सी.डी.पी.) का क्रियान्वयन

1545. **श्री रामसिंह राठवा** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात में राजकोट, अहमदाबाद, सूरत और बड़ोदरा में समेकित बाल विकास योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो गत पांच वर्षों के लिए क्या-क्या वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किये गये थे और उन्हें किस हद तक प्राप्त कर लिया गया है ।

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री को अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) जी नहीं । इन जिलों में परियोजनाएं चालू हैं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) गुजरात में राजकोट, अहमदाबाद, सूरत और बड़ोदरा जिले में प्रचालित की जाने वाली समेकित बाल सिकास सेवा परियोजनाओं की संख्या के संदर्भ में लक्ष्य और उपलब्धियों का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

राज्य/जिले का नाम		1988-89	1989-90	1990-91
राज्य : गुजरात				
राजकोट				
	लक्ष्य	1	0	0
	उपलब्धियां	1	0	0
अहमदाबाद				
	लक्ष्य	1	0	0
	उपलब्धियां	1	0	0
सूरत				
	लक्ष्य	1	0	0
	उपलब्धियां	1	0	0
बड़ोदरा			0	
	लक्ष्य	1	0	0
	उपलब्धियां	1	0	0

मध्य प्रदेश की ओंकारेश्वर परियोजना

1546. **श्रीमती रत्न कुमारी :** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मध्य प्रदेश की ओंकारेश्वर सिंचाई परियोजना की जांच की है, यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या सरकार को मध्य प्रदेश सरकार से आवश्यक सूचना प्राप्त हो गई ; और

(ग) यदि हां, तो इस परियोजना को कब तक स्वीकृति दे दिए जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख) जी, हां। नर्मदा नदी पर ओंकारेश्वर परियोजना एक बहु-प्रयोजनी परियोजना है, जिसमें लगभग 2.83 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की वार्षिक सिंचाई किए जाने और 520 मेगावाट की संस्थापित क्षमता की जल विद्युत उत्पादित किए जाने की परिकल्पना की गयी है । केन्द्रीय जल आयोग में जांच किए जाने के बाद, 788.03 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत की यह परियोजना परामर्शदात्री समिति की अक्तूबर, 1988 में हुई बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत की गयी। परामर्शदात्री समिति ने इस परियोजना पर विचार-विमर्श स्थगित कर दिया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा वन और पर्यावरण संबंधी स्वीकृति का मामला वन और पर्यावरण मंत्रालय को नहीं भेजा गया था ।

(ग) राज्य सरकार को पर्यावरण और वन मंत्रालय से वन और पर्यावरण संबंधी स्वीकृति प्राप्त करनी है ।